MR. CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the members of the bereaved families our sense of profound sorrow and deep sympathy.

ORAL ANSWERS To QUESTIONS

Use of Magnifying Glasses to Search Rail Tracks

*61. SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Will the Minister of RAILWAY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the railway workers have been using magnifying glasses to search rail tracks for fractures recently;

(b) whether it is also a fact that the South Central Railway is ill-equipped to search and identify track fractures in Andhra Pradesh;

(c) whether modem equipments and computers are not available with the Railways for this purpose; and

(d) if so, the details as to how the South Central Railway detects track fractures in Andhra Pradesh?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) No, Sir. Modern equipment like self-propelled ultrasonic rail testing car is available with the Indian Railways which covers all the Zonal Railways.

(d) Detection of rail fractures in South Central Railway in Andhra Pradesh is carried out:

(i) By Ultrasonic Flaw Detection Equipment such as single rail tester, double rail tester and self propelled ultrasonic rail testing car.

(ii) By visual inspection of track i.e.

- daily by key man in all the reasons;
- in cold weather by patrol man when cold weather patrolling is introduced;
- during day to day working of gangs at work site;
- during lubrication of fish plated joints when the magnifying glasses are used;
- during the overhauling of the level crossing;
- during scheduled inspection of points and crossings;

SHRI C. RAMCHANDRAIAH: Sir, the Minister in his reply has stated that magnifying glasses to search rail cracks in tracks have been introduced and they are in vogue. As far as its utilisation in the

South Central Railway is concerned, the Minister's reply is in the affirmative. Sir, I want to get a clarification from the Minister. Is it a fact that fifty per cent of the accidents are due to cracks in tracks and poor quality of steel supplied by SAIL as found out by the National Metallurgy Company, which is owned by the Government of India? Are they doing periodical renewal of the tracks? Welding of joints has not been taken care of. There are a number of accidents in Andhra Pradesh very recently because of these cracks in tracks.

श्री नीतिश कुमार : सभापति महोदय, जहां तक क्रेक का सवाल है, यह रेलवे क्रेक होते हैं, वेल्ड की फेल्योर होता है और उन्होने "सेल"" के द्वारा सप्लाईकी जा रही रेल की क्वालिटी के संबधं में कहा है । क्वालिटी पर "सेल" के अंदर प्लांट में रेल मेन्युफेक्चर की जाती है । वहां उनको सलाल दी जाती है । वहां उनको सलाह दी जाती रही है क्वालिटी कंट्रोल के बारे में और भारत वर्ष में सिर्फ "भिलाई" स्टील प्लांट में ही रेलें बनती है और जितनी रेल "सेल" सप्लाई नहीं कर पाती है, उतनी ही रेलों का आयात किया जाता है । एक तरह से हमारा अकेला सप्लायर यह पब्लिक सैक्टर अडंरटेकिंग हैं । क्वालिटी इम्प्रूवमेंट की दिशा में उन्होनें कदम बढाया है । पिछले वर्ष मैनें स्टील मिनिस्टर के साथ"सेल" और "भिलाई" के अधिकारियों की बैठक की थी और उसमें कुछ निर्णय

लिए गए थे क्वालिटी कंट्रोल के लिए और उसका शैड्यूल तय किया गया था कि कब वे वेक्यूम डिनैसिंग प्लांट लगाएंगे, ए.डी. करंट डिवाइस लगाएंगे और अल्ट्रा सैनिक टैस्ट करेंगे ऑन लाइन, उसके बारे में तय हो चुका है और एक हद तक उसके हिसाब से वे चल रहें हैं, कुछ मामलों में थोड़ी देरी हो रही है । अभी इसी महीने मैने "भिलाई" स्टील प्लांट का निरीक्षण भी किया है और उस समय स्टील मिनिस्टर भी साथ थे । इसलिए हमारा पूरा प्रयास है कि इसकी क्वालिटी में अगर कुछ कमी हैं तो उसमें इम्प्रूमेंट हो, लेकिन यह कहना कि "सेल" की रेल के चलते ही सब कुछ खराब है, यह ठीक स्टेटमेंट नहीं है ।

SHRI C. RAMACHANDRAIAH: Sir, I would like to know whether the recent accident that took place on Nadikudi line between Hyderabad and Guntur was because of the old track that was used. The Railway Department says that this accident took place due to the problem of some extremists.

Is it not true that the Department is trying to distort the picture and distort the picture and disowning the responsibility? The Minister should kindly come out with a correct answer.

श्री नितीश कुमार : सभापति, महोदय, एक स्पैसिफिक रेल ऐक्सीडेंट के बारे में इन्होनें बात कही है । उसके बारे में विस्तृत जानकारी उनको दी जा सकती है लेकिन किसी के ऊपर रिस्पासिबिलिटी फेंकने का सवाल नहीं है । यह बात सही है कि सेफ्टी के लिए ट्रैक रिन्युअल की जरूरत है और ट्रैक रिन्युअल का प्रोग्राम चलता रहता है । मैने इस सदन को सूचित किया है कि पूरी रेलवे में कितना लिंक रेलवे का ड्यू है ट्रैक रिन्युअल के लिए । इसकी जानकारी मैनें इस सदन को दी है और इस साल के बजट में भी हमने सेफ्टी सदन को दी है और इस साल के बजट में भी हमने सेफ्टी मैजर्स के लिए ज्यादा प्रोविजंस किएं हैं । ट्रैक रिन्युअल और उसके अलावा जो भी सेफ्टी से संबधित जरूरी खर्चे हैं, उसके लिए धनराशि में बढ़ोत्तरी की गई है । जिस पर्टिकुलर ऐक्सीडेंट के बारे में उन्होनें कहा है, मैं उसकी देख लूंगा लेकिन कोई भी ऐक्सीडेंट जिसमें लोगों की जानें जाती हैं, उसके कई आधार पर होते हैं जिनके आधार पर कमिश्नर रेलवे सेफ्टी के द्वारा जांच कराई जाती है । माननीय सदस्य ने जिस ऐक्सीडेंट के बारे में चर्चा की है, उसके बारे में अगर कमिश्नर रेलवे सेफ्टी की रिपोर्ट आ गई होगी तो उसको हम उनकी जानकारी के लिए उन्हें भी दे सकते हैं और सदन के पटल पर भी रख सकते हैं ।

श्री राघवजी : सभापति महोदय, पिछली बार अम्बाला के आस-पास रेल ट्रक में हजारों दरारें आई थीं और यह समाचारपत्रों में छपा था और उसका पता नहीं लग पाया इसलिए कि अल्ट्रासोनिक मशीनें वहीं पर उलब्ध नहीं थी और काफी दूर से मंगानी पड़ी । माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर के "ग" भाग में यह कहा है कि रेल टैस्टिंग मशीन इंडियन रेलवे के पास उपलब्ध है और वह सारे जोन्स को कवर करती है । मैं यह जानना चाहता हूं कि यह एक ही कार है जो पूरे जोन्स में जाती है या हर जोन के लिए अलग-अलग कारें हैं ? अगर एक ही कार हैं तो वह कैसे पता लगा सकतें हैं ? इसका कृपया स्पष्टीकरण दें ।

श्री नीतिश कुमार : सभापति महोदय, नार्दर्न रेलवे में रेल फ्रैक्चर की कई घटनाएं सामने आईं थीं । कई जगहों पर रेल फ्रैक्चर हुए थे एक ही घटना के चलते । एक फ्लैट व्हील के चलते यह सब कुछ हुआ था और उसके बारे में मैं इस सदन को सूचित कर चुका हूं पिछले सत्र में । वह किस ढंग से हुआ, किन परिस्थितियों में हुआ, इसके बारे में जांच-पड़ताल की गई हैं और यही पाया गया कि वह फ्लैट व्हील जो था, उसके चलते कई फ्रैक्चर्स हुए थे और बहुत बड़ी-संख्या में फ्रैक्चर्स हुए लेकिन उनको डिटैक्ट किया गया और तत्काल कार्यवाही करके रेल को रिपेयर किया गया । कुछ समय के लिए पर काफी स्पीड़ रिस्ट्रिक्शंस भी लगाई गई थी और कुछ समय के लिए किसी सैक्शन में गाडियों को रोकना भी पड़ा था । यह सब मैजर्स लिए गए थे ।

सभापति महोदया, अब जहां तक सवाल है स्पर्ट कार का, वह इंडियन रेलवे के पास एक ही है और दो और प्रौक्योर करने के लिए इस बार के बजट में व्यवस्था की गई है और इसके लिए टेंडर निकाले जा रहें हैं । और इसकी जरूरत है, हम ऐसा महसूस करते हैं लेकिन यह समस्या दुनिया भर की रेलवे के सामने हैं । अगर ये 2 स्पर्ट कारें हमारे पास हो जाएंगी तो उसमें काफी हद तक काम चल जाएगा ।

श्री सुरेश पचौरी : माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से अपना पूरक प्रश्न 3 भागों में पूछना चाहता हूं । मेरे प्रश्न का पहला भाग यह है कि क्या सही है कि आपकी, भेल के अधिकारियों की और भिलाई के जो अधिकारी हैं, उनके बीच पिछले दिनों भिलाई में चर्चा हुई थी और उसमें यह बात आपके

नॉटिस में लाई गई थी क्वालिटी कंट्रोल में कमी हैं । यदि हम सही हैं तो आपकी तरफ से इस संबंध में समय सीमा के अंदर क्या उपाय किए गए ?

मेरे प्रश्न का दूसरा भाग यह है कि क्या गलती सही है कि भोपाल और दिल्ली के बीच कई बार ट्रैक में फ्रैक्चर्स होने की वजह से गाडियां पटरी से उतरी है ? यदि ऐसा है तो आपकी तरफ से इस संबध में क्या उपाय किए गए हैं ?

मेरे प्रश्न का तीसरा भाग यह है कि पिछले दिनों जो ट्रैक फ्रैक्चर्स हुए हैं, क्या इसके पीछे मूल कारण यह है कि ट्रैक रिन्युअल के लिए जितने धन का प्रावधान आपको रेल बजट में रखना चाहिए था, उतना आपने नहीं रखा है ? यदि यह सही है तो आप अभी उत्तर देते समय आ क्या यह बताएंगे कि रेल बजट में ट्रैक रिन्युअल के लिए आप और धन बढ़ाने के बारे में विचार कर रहें हैं ?

श्री नीतीश कुमार : सर, यह बात सही है कि ट्रैक रिन्युवल के लिए जितने धन की व्यवस्था होनी चाहिए थी उतने धन की व्यवस्था की जाती रही है और इसके कारण कुल लगभग 11 हजार किलोमीटर ट्रेक का रिन्युवल ड्यू है। इस साल हमने इस मद में राशि बढ़ाई है, पिछले साल भी कुछ पैसे बढ़ाए गए थे, इस बार भी बढ़ाए गए हैं । यह व्यवस्था हम कर रहें हैं । कोशिश हमारी है कि नाईथ प्लान के अंदर इस ढंग से हो कि ए, बी और सी रूट में इस ढंग का कोई ट्रैक रिन्युवल ड्यू न रहें, यह हमारा प्रयास रहेगा । जहां तक सेल के द्वारा सप्लाई की जा रही है । रेल की क्वालिटी का सवाल है, मैने पहले ही यह जानकारी की है । इसके संबधं में पिछले वर्ष मीटिंग हुई थी और इसी महीने वहां हम गए थे रेल बोर्ड के अधिकारियों के साथ और स्टील मिनिस्टर सेल के अधिकारियों के साथ वहां पर थे । वहां भी चर्चा हुई और हम लोगों ने देखा है, इसके लिए लक्ष्य निर्धारित किए गएं हैं । कुछ मामलों में उनको विदेश से उस चीज को लाने में विलम्ब हुआ है इसके चलते महीने, दो महीने की देरी उनकी हो रही है लेकिन फिर भी यह कहा जा सकता है कि मौटे तौर पर जो तय हुआ है उसके मुताबिक उन्होनें अपनी वचनबद्धता दोहराई है कि हम कर देंगे । इसमें खास करके नए किस्म की वेक्यूम डि-गौसिंग प्लांट उनको लगाना है । ए.डी.करंट फेसिलिटी, ऑभ लाईन अल्ट्रासोनिक टैरिटंग फैसिलिटी, वेक्यूम डि-गोसिंग यूनिट यह उनको लगाने है। इसके लिए समय-सीमा निधार्रित कर दी गई है और जैसा मैनें कहा कि उन्होनें पुनः अपनी वचनबद्वता दोहराई है । एक मामले में थोड़ा विलम्ब अभी हुआ है लेकिन उसका कारण जो उन्होनें दिया है वह कारण उचित नजर आता है ।

श्री सुरेश पचौरी : नई दिल्ली भोपाल के बीच में ट्रैक का ।

श्री नीतिश कुमार : ट्रैक रिन्यूवल का काम हर जगह जो ड्यू है उसके हिसाब से चलाने का फायदा हो रहा है । मैनें जानकारी भी कि ट्रैक रिन्युवल ड्यू है । आपने जिस सैक्शन की बात कही है, मैं उस पर खुद गौर करूंगा ।

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: Mr. Chairman, Sir, for part (b) of the question, which is regarding search and identification of track fractures, the reply has been given in the negative.

It was also asked whether the South Central Railway is ill-equipped. The reply says "No." What I want to know from the hon. Minister is, whether any norms have been framed to arrive at the conclusion whether it is ill-equipped or not. If so, what are the norms the Government has prescribed and is there any monitoring authority to see that the norms are actually observed?

श्री नीतिश कुमार : सर, एक तो तीन तरह के इसके टैस्ट होते हैं । एक तो एक्सपर्ट कार, सैल्फ प्रोपेल्ड अल्ट्रा सोनिक रेल टैस्टिंग कार ।

Only one car is available with the Indian Railways. We have, altogether, 141 single rail testers and 42 double rail testers. These are manually operated. So far as the Sourth Central Railway is concerned, it is well equipped.

SHRI C.P. THIRUNAVUKKARASU:

Sir, to improve the rail track and to curtail fractures, the kiloweight of the rail track has been increased. What is the weight? The hon. Minister may kindly tell us as to what is the length of the rail track the weight of which has been increased recently and what is the length of the rail track the weight of which will be increased during this year.

श्री नीतिश कुमार : यह इससे संबधिंत नहीं है । I can give this information later on.

MR. CHAIRMAN: That is all right.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: Sir, basically, this question was put by my friend, Shri Ramachandraiah. I want to know from the hon. Minister whether the Government has imported 30,000 discs, wheels and accessories from Russia.

MR. CHAIRMAN: This does not arise out of the main question.

DR. ALLADI P. RAJKUMAR: No, Sir. This question is pertaining to track only. What I want to know is, whether the Government has imported 30,000 discs, wheels and accessories from Russia. Sir, accidents are occurring because of this equipment. I would like to konw from the hon. Minister whether they are defective or not.

MR. CHAIRMAN: This question does not arise out of the main question.

SHRI JAYANT KUMAR MALHOUTRA: Sir, railways and rait track exist in every country of the world. The amazing thing is that the issue of magnifying glasses, used to detect these cracks seems to be archaic and obsolete. My question is whether in any country of the world these magnigying glasses are used to detect cracks. Then, what is the cost of this ultrasonic equipment, which is the only facility available to us? I do not think it would be much expensive. Why did not procure two or three equipments earlier? *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Why are you interfering with him? *(Interruptions)*

श्री नीतिश कुमार : सर, जहां तक सवाल है मैग्रीफाईंग ग्लास का, अगर आपकी इजाज़त हो तो में उसे साथ लेकर आया हूं। जैसे डास्क्टर्स के पास स्टेकोस्कोप होता है, उसी तरह से हर गैंगमैन और रेलवे में जो काम करते हैं, उनके पास यह रहता है। ये घुमते रहते हैं, और मैग्रीफाई करके रेलवे के गैगमैंन इसको देखते हैं । इसके बाद यह मिरर किया जाता है, वे नीचे लगा कर उसको देखते हैं।

This is like a stethoscope which every doctor possesses. In the age of advanced technology. ..*(Interruptions)* Every gangman patrols...*(Interruptions)* I am reply to your question. Every gangman patrols on the track. He is supposed to do it...*(Interruptions)* I am replying. It remain with the gangman. He is supposed to have some equipments with him, so that he could detect cracks, otherwise, with the naked eye he cannot detect all the cracks. So, this magnifying glass and this mirror is provided to each and every gangman. This is part of their tool-kit. So far as modern technologies are concerned, we use ultrasonic devices. As I have mentioned, we use single rail-tester and double rail-tester. So far as the SPURT car is concerned, we have one. But this have become obsolute. We want to procure two more SPURT cars... *(Interruptions)*

Golden Pass to retired Officials

*62. SHRI SATISH CHANDRA SITARAM PRADHAN:†
SHRI SURESH A. KESWANI:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to stale:

(a) whether it is a fact that retired officials of Railway Board are provided with a Golden Pass; if so, the criteria governing issue of such passes;

(b) what is the number of beneficiaries availing this facility at present;

(c) whether these passes are issued free of cost or any Ministry/Department bears the expenses; and

(d) whether Government are considering withdrawal of these passes in the light of difficult state of economy in the country?

THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

† The question was actually asked oh the floor of the House by Shri Satish Chandra Sitararm Pradhan.